मिशन शिक्षण संवाद

कक्षा-6,
विषय-इतिहास

चार धाम की यात्रा

काव्य मंजरी

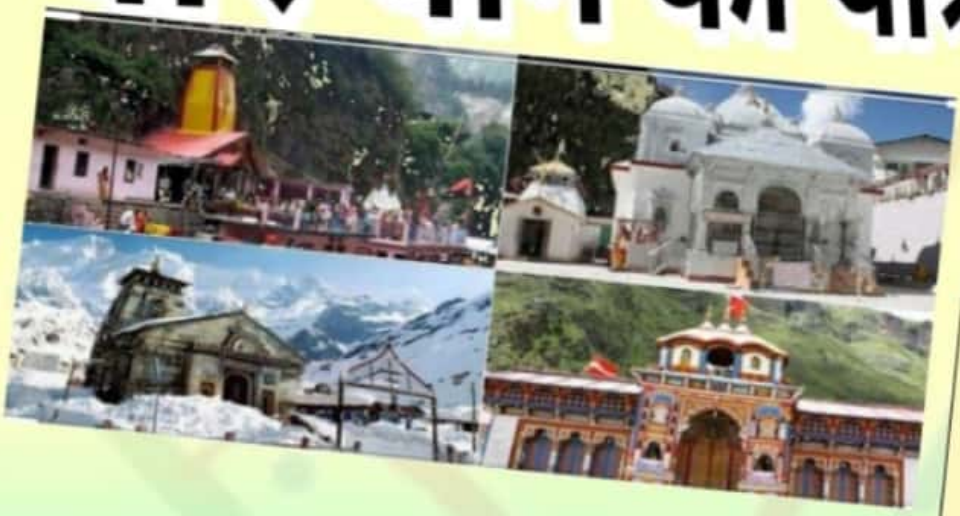

शैक्षिक कविताओं का संकलन

•– संकलन कार्य •–

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

चार धाम बद्रीनाथ 01

शिव भूमी में विष्णु का ,है अति पावन धाम।
श्री युत बद्रीनाथ को ,बारम्बार प्रणाम ।।

जोशीमठ का जिला चमोली।
जावहिं यहिं भक्तन की टोली।।
बदरी आश्रम नाम ग्राम का।
सतयुग मंदिर चार धाम का।।
निकट अलकनंदा अति पावन।
नर नारायण शिखर सुहावन।।

चतुर्भुजी अति रूप मनोहर।
बद्रीनाथ नाम योगेश्वर।।
शंख चक्र हाथन में धारे।
पद्मासन मुद्रा प्रभु प्यारे।।
केरल के रावल परिवारी।
मंदिर में नित बनें पुजारी।।

लक्ष्मी रूप वृक्ष का पाते।
बद्री फल हैं बेर कहाते।।
धारा निकट गरम जल होई।
करत प्रयास सफल नहिं कोई।।
योगी जहाँ योग कूँ जावें।
करकै योग मोक्ष कूँ पावें।।

जहाँ महाभारत लिखे ,वेद व्यास से सन्त।
पावन बदरी भूमि को ,नमन करूँ भगवन्त ।।

रचना - विपिन गुप्त "वेद"
(विज्ञान शिक्षक)
KGBV, छाता (मथुरा)

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

चार धाम द्वारिका धाम 02

वैष्णव तीर्थ द्वारका धाम,
स्थित है गुजरात में।
मठ 'शारदा' नाम दिया,
गुरु शंकराचार्य ने।

मोक्ष प्राप्ति में मददगार,
यह स्थल मंदिरों वाला है।
चार धामों में से एक,
यह हिन्दू तीर्थ निराला है।

भगवान श्री कृष्ण का कहते,
यही निवास स्थान रहा।
द्वापर युग में भगवन् ने,
यह नगर बसा सुख धाम दिया।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना-अरविन्द कुमार सिंह
【स.अ】
प्रा.वि.धवकलगंज,
बड़ागाँव,वाराणसी

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

चार धाम जगन्नाथ पुरी 03

चारो धामों में से जिसे एक गिना जाता।
वह प्रसिद्ध जगन्नाथ धाम कहलाता॥
उड़ीसा राज्य के पुरी शहर में स्थित।
वैष्णव सम्प्रदाय मन्दिर श्रीकृष्ण को समर्पित॥

वार्षिक रथ यात्रा का यहाँ उत्सव मनाया जाता।
आषाढ़ माह द्वितीया तिथि को शुरू कराया जाता॥
स्वामी जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र, भगिनी सुभद्रा।
भव्य रथों में विराजमान होकर निकले रथयात्रा॥

तालध्वज, दर्पदलन, गरुड़ध्वज रथों के नाम।
नीम की लकड़ी से होता इनका निर्माण॥
आषाढ़ माह के दसवें दिन रथों की वापसी।
इस रस्म को बहुड़ा यात्रा यहाँ कहते हैं सभी॥

मंजू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

Scanned with CamScanner

मिशन शिक्षण संवाद

चार धाम रामेश्वरम 04

हिन्द से दक्षिण श्रीलंका है ,परित: सिंधु महान,
भारत माँ के पाँव पसारे,हिन्द पड़ा है नाम ।।
जिसके तट में है शुचि मंदिर,रामेश्वर का धाम ,
रामा ने जिन शिव को पूजा,पूर्ण करें सब काम।।

उसी जगह में बैठ राम ने,
सागर स्तुति कीन्ही,
तीन दिनो के बाद में प्रभु ने,
जड़ को शिक्षा दीन्ही ।
उनकी पूजा अरु स्तुति से,
अनुपम पुल बनवाये,
जिसमें चल के वानर सेना,
लंका पुरी सिधाये।।

बारह ज्योतिर्लिंग धरा में,अदभुत सभी बताते,
पुनरुद्धार जो इनके कीन्हे,शंकराचार्य कहाते ।
बालू की जो बनी है मूरत,मन को बहुत लुभाये,
चार धाम में श्रेष्ठ सभी हैं,ऐसे वेद बतायें ।।

रचना-उदय भान त्रिपाठी
(प्र. प्र. अ)
प्रा.वि.चक मवई राधा
ब्लॉक-मऊ,चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

Scanned with CamScanner

- रचनाकारों की सूची -

1- विपिन गुप्त "वेद", मथुरा
2- अरविंद कुमार सिंह, वाराणसी
3- मंजू शर्मा, हाथरस
4- उदय भान त्रिपाठी, चित्रकूट

•- टेक्निकल टीम -•

आर.के.शर्मा, चित्रकूट
आयुषी अग्रवाल,मुरादाबाद
हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
शहनाज बानो, चित्रकूट
अर्चना अरोड़ा, फतेहपुर

संकलन

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with CamScanner

- रचनाकारों की सूची -

1- विपिन गुप्त "वेद", मथुरा
2- अरविंद कुमार सिंह, वाराणसी
3- मंजू शर्मा, हाथरस
4- उदय भान त्रिपाठी, चित्रकूट

•- टेक्निकल टीम -•

आर.के.शर्मा, चित्रकूट
आयुषी अग्रवाल,मुरादाबाद
हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
शहनाज बानो, चित्रकूट
अर्चना अरोड़ा, फतेहपुर

काव्यांजलि मिशन शिक्षण संवाद

संकलन

काव्यांजलि टीम

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with CamScanner